No. of Printed Pages : 4

MPS-002

MASTER OF ARTS (Political Science)

Term-End Examination

June, 2012

00722

MPS-002 : INTERNATIONAL RELATIONS : THEORY AND PROBLEMS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt **five** questions in all, selecting at least **two** from each section. Answer each question in about **500** words. All questions carry **equal** marks.*

SECTION-I

1. Differentiate the neo-liberal and liberal approaches to the study of international relation.

2. Briefly describe the main arguments of the Feminist Approach to the study of international relation.

3. Analyse the world view of nationalist and pan-nationalists following the decolonisation of Africa and Asia.

4. What do you understand by Globalisation ? On what basis it is supported and criticised ?

5. Describe and analyse the post-cold-war challenges to international peace and security.

SECTION-II

6. Analyse the concept of self-determination and its application to multi-ethnic societies.

7. Describe and evaluate the role of technology in the evolution of international system.

8. Why do some observers describe the contemporary global system as a unipolar world ? Explain reasons for the same.

9. What is meant by Diaspora ? How does it promote transnational movements ?

10. Critically evaluate the role of Non-government Organisations in formulation of policies by governments.

एम.पी.एस.-002

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (राजनीति विज्ञान)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.पी.एस.-002 : अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध : सिद्धांत और समस्यायें

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **दो** प्रश्न चुनते हुये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

खण्ड-I

1. अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध के अध्ययन के नव-उदारवादी और उदारवादी दृष्टिकोणों के मध्य भेद करें।

2. अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध के अध्ययन के नारीवादी दृष्टिकोण के प्रमुख तर्कों का संक्षेप में वर्णन करें।

3. अफ्रीका और एशिया में विउपनिवेशीकरण पश्चात् राष्ट्रवादियों और पर-राष्ट्रवादियों की विश्व दृष्टि का विश्लेषण करें।

4. विश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? इसका किस आधार पर समर्थन और विरोध किया जाता है?

5. शीत युद्ध पश्चात् अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के समक्ष चुनौतियों का वर्णन और विश्लेषण करें।

खण्ड-II

6. आत्म-निर्णय की अवधारणा और बहु-नृजातिय समाजों में इसके अनुप्रयोग का विश्लेषण करें।

7. अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के विकास में तकनीकी की भूमिका का वर्णन और मूल्यांकन करें।

8. समकालीन विश्व व्यवस्था का क्यों कुछ पर्यवेक्षक एक एकलध्रुवीय विश्व के रूप में वर्णन करते हैं? इसके कारणों की व्याख्या करें।

9. डायस्पोरा से क्या समझा जाता है? यह पर-राष्ट्रीय आंदोलनों को कैसे प्रोत्साहित करता है?

10. सरकारों द्वारा नीति निर्धारण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।